आतंक का असर अब भी कायम

लेखक - आर.के. राघवन (भूतपूर्व CBI डायरेक्टर)

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-III (आंतरिक सुरक्षा) से संबंधित है।

द हिन्दू

6 नवंबर, 2019

"यह लेख 'द हिन्दू' में प्रकाशित Down, but Still a Potent terrer force लेख का सारांश है। इसमें आप अलकायदा और आई.एस. जैसे आतंकी संगठनों का उत्थान, पतन व सीरिया और इराक के हालिया घटनाक्रम और भारतीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा उठाए जाने वाले कदमों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।"

अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा इराक में जन्मे इस्लामिक स्टेट (IS) के नेता अबु बकर अल बगदादी की सीरिया में हाल ही में हुई मौत की घोषणा ने पूरे विश्व समुदाय का ध्यान खींचा है। कहा जा रहा है कि बगदादी ने अपनी कमर में लगी विस्फोटक बेल्ट के ज़रिये खुद को उड़ा दिया जब एक सुरंग में अमेरिकी सैनिकों द्वारा उसका पीछा किया जा रहा था। इस संपूर्ण घटनाक्रम ने 2011 में सऊदी आतंकी ओसामा बिन लादेन के खिलाफ चलाए गए अभियान की याद ताजा कर दी। इस हिंसा और नफरत के दुष्चक्र को पाकिस्तान के एबटाबाद में समूल नष्ट कर दिया गया था।

इन दोनों नेताओं की ज़िन्दगी का अध्ययन एक रुचिकर विषय होने के साथ इस्लामिक कट्टरपंथ की नाराज़गी को समझने की एक पूर्ववर्ती शर्त भी है। एक उच्च व्यवसायी परिवार में जन्मा ओसामा बिन लादेन तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ा था। हालाँकि बगदादी का जन्म एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। मगर दोनों में धार्मिक सनक थी और हल्के-फुल्के तौर पर दोनों ने विश्वविद्यालय तक शिक्षा भी ली थी। दोनों घृणा, नफरत, प्रतिकार की भावना से परिपूर्ण थे। हिंसा का तत्त्व दोनों में प्राकृतिक रूप से विद्यमान था। हालाँकि ओसामा बिन लादेन अपने लक्ष्य (Target) चुनने में ज़्यादा तार्किक था। बगदादी अमेरिका में ओसामा बिन लादेन की तरह हर घर की चर्चा का विषय नहीं था। इसकी वजह यह थी कि बगदादी ने ओसामा बिन लादेन की तरह अमेरिका में 9/11 जैसा कुछ बड़ा नहीं किया, जिसने लाखों लोगों की ज़िन्दगी पर असर डाला था, विशेषकर अमेरिका में। बगदादी का दृष्टिकोण आमतौर पर संकीर्ण था। उसने अपने आप को पश्चिमी एशिया तक सीमित रखा विशेषकर इराक और सीरिया तक। जब उसने ओसामा बिन लादेन द्वारा तैयार अवसरों का अन्वेषण करना शुरू किया और अमेरिकी अभियानों से बचने के लिए उसके (लादेन के) लक्ष्य कदम पर चलने की कोशिश की, तो यह देखना रुचिकर हो जाता है कि क्या वह लादेन की तरह महत्ता और कुख्याति को प्राप्त कर पाया। IS और अलकायदा दोनों स्वतंत्र रूप से अपने अभियान चलाते रहे। IS का अस्तित्व तब ज़्यादा प्रभावकारी बना जब ओसामा बिन लादेन के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा था। इसने कड़ी कार्यवाही की पैरवी की ना कि किसी सिद्धांत या आदर्शवाद में विश्वास दिखाया। ओसामा बिन लादेन ने कभी कोई सीमा और संप्रभुता निर्धारित नहीं की। उसकी अपील ने लोगों पर जबर्दस्त असर किया और दुनिया के सारे गैर-मुस्लिमों को उसके खिलाफ जबर्दस्त कार्यवाही के लिए प्रेरित किया। इसके विपरीत बगदादी जमीन से जुड़ा हुआ और भौतिक व्यक्ति था, जिसने एक विशेष भूगर्भिक क्षेत्र पर कब्जा करने की आवश्यकता को ज़्यादा महत्त्व दिया और इसके संपूर्ण संसाधनों, तेल, कोयला आदि को IS की शक्ति बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया। IS ने सीरिया और इराक जैसे क्षेत्रों में नृशंसतापूर्वक

राज्य किया जिसकी वजह से बगदादी ने दोस्ती से ज़्यादा दुश्मनी को आमंत्रण दिया। उसकी अन्य महत्त्वपूर्ण चिंता अपनी सुरक्षा को लेकर थी। उसने अपनी लोकेशन ट्रेस हो जाने की वजह से मोबाइल संचार को वरीयता नहीं दी। उसने एक ऐसे पंथ के लोगों को अपनी सुरक्षा में शामिल किया जिसके लोग उसे (बगदादी को) नापसंद करते थे क्योंकि उसे अपने रिश्तेदारों और नातेदारों पर भरोसा नहीं था। यही वे अन्दरूनी लोग थे जिन्होंने बगदादी को धोखा दिया।

जैसे लादेन की मौत के बाद प्रश्न खड़ा हुआ वैसे ही IS के भविष्य के लिए क्या किया जाये? यह प्रश्न बगदादी और उसके तथाकथित उत्तराधिकारी अबु-हसन-अल महाज़िर की मौत के बाद भी खड़ा हुआ। अबु इब्राहिम हाशिमी अल कुरैशी की ताज़पोशी ने दुनिया के विशेषज्ञों को चौंकाया, क्योंकि उसके बारे में ज़्यादा जानकारी मौजूद नहीं है। IS द्वारा जारी एक संक्षिप्त ऑडियों क्लिप में अमेरिका से बदला लेने की बात की गई है, जाहिर सी बात है सीरिया और इराक में स्थिति और गंभीर होने वाली है।

उत्तरी सीरिया से अमेरिकी फौज का हटना और उनकी कैद से IS के आतंकियों का छूटकर भागना स्थिति को पहले से ही गंभीर बनाए हुए है। IS की नई ताज़पोशी चाहेगी कि अमेरिकी फौज बदला लेने के लिए फिर से एक साथ खड़ी हो। चूँकि IS पश्चिम एशिया और अफ्रीका व एशिया के अन्य भागों में फैला हुआ है। इसलिये IS के प्रभाव को कमतर नहीं आँका जा सकता।

भारत के पास पश्चिमी एशिया में हो रही उठापठक को लेकर चिंतित होने के पर्याप्त कारण मौजूद हैं। गृह मंत्रालय द्वारा राज्यों को जारी सुरक्षा निर्देशों के तहत पूरे देश भर में Loan Wolf Attack की आशंका जताई गई है। NIA द्वारा तमिलनाडु और अन्य जगहों पर छापेमारी से देश में IS की मौजूदगी के सबूत मिले हैं। यह एक डराने वाला तथ्य नहीं है कि कैसे युवाओं को कम समय में भ्रमित कर IS का लड़का बना दिया गया, जिनमें से कुछ IS कैम्प की दर्दनाक यादों के साथ घर वापस आ गए, बल्कि डराने वाला तथ्य यह है कि जो वहाँ बाकी रह गए हैं वे IS के नृशंस कार्यों को अंजाम दे सकते हैं। सुरक्षा एंजेसियों के पास न केवल घर वापस आने वाले युवाओं पर नज़र रखने की जिम्मेदारी है, ताकि उन्हें स्लीपर सेल के रूप में इस्तेमाल ना किया जा सके, बल्कि इसकी आगामी भर्तियों को रोकने और जो भर्ती हो चुकी है उनके उन्मूलन के अन्य एजेंसियों के साथ संपर्क बनाये रखना भी है। दोनों मुश्किल कामों को अंजाम देने के लिए सुरक्षा एजेंसियों में आपसी तालमेल और तीव्र सूचना संचार की ज़रूरत होगी।

GS World Committed To Excellence

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. **इस्लामिक स्टेट के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-**

   1. इस्लामिक स्टेट 2014 में निर्मित एक सक्रिय जिहादी सुन्नी सशस्त्र आतंकी समूह है।
   2. शुरू में इस्लामिक स्टेट अलकायदा को समर्थन करता था।
   3. हाल ही में इस्लामिक स्टेट के मुखिया अबु बक्र अल बगदादी की अमेरिकी सैन्य अभियान के दौरान मृत्यु हो गई है।

   उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?

   (a) 1 और 2

   (b) 2 और 3

   (c) 1 और 3

   (d) 1, 2 और 3

Expected Questions (Prelims Exams)

1. **Consider the following statements in the context of the Islamic State (IS).**

   1. Islamic State is an active jihadist Sunni armed terrorist group formed in 2014.
   2. The Islamic State initially supported Al Qaeda.
   3. Recently the head of the Islamic State, Abu Bakr al-Baghdadi, died during the US military campaign.

   Which of the above statement are correct?

   (a) 1 and 2

   (b) 2 and 3

   (c) 1 and 3

   (d) 1, 2 and 3

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्न: पिछले कुछ वर्षों में इस्लामिक स्टेट एक खतरनाक आतंकी संगठन के रूप में उभरा है, इसके उत्पत्ति के कारणों की चर्चा करते हुए भारत के विशेष संदर्भ में इसके वैश्विक प्रभावों को दर्शाइए।

(250 शब्द)

In the last few years, the Islamic State has emerged as a dangerous terrorist organization, highlighting the reasons for its origins and mention its global implications in the particular context of India.

(250 words)

नोट : 5 नवम्बर को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1 (c) होगा।